RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (अक्टूबर से दिसम्बर 2025)

हमारी विरासत

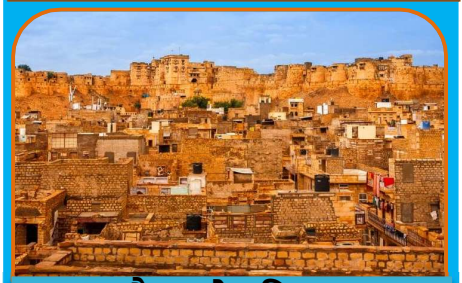

जैसलमेर किला

https://www.tourism.rajasthan.gov.in/jaisalmer

विशाल थार रेगिस्तान से सुनहरे रेगिस्तान की तरह उभरता हुआ, जैसलमेर किला राजस्थान के समृद्ध इतिहास और रेगिस्तानी संस्कृति का एक चमकता हुआ प्रतीक है। जैसलमेर किला राजस्थान के सबसे प्रसिद्ध और खूबसूरत हेरिटेज स्थलों में से एक है जो एक पहाड़ी पर शान से खड़ा है और यह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।

1156 ईस्वी में भाटी राजपूत राजा राव जैसल द्वारा बनवाया गया, जैसलमेर शहर का नाम उन्हीं के नाम पर पड़ा है। पीले बलुआ पत्थर से बना यह किला सूरज की रोशनी में शानदार ढंग से चमकता है, जिसके कारण इसे सोनार किला या गोल्डन फोर्ट भी कहा जाता है। सदियों तक, इस किले पर भाटी राजपूत शासकों का राज रहा और इसने रेगिस्तानी व्यापार में, खासकर भारत, मध्य एशिया और मध्य पूर्व के बीच रेशम, मसालों और कीमती सामानों के आवागमन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जो बात जैसलमेर किले को सच में अनोखा बनाती है, वह यह है कि यह आज भी जीवंत है। कई दूसरे किलों के विपरीत, आज भी लोग इसकी दीवारों के अंदर रहते हैं। घर, मंदिर, दुकानें, कैफे और संकरी गलियां किले के अंदर एक हलचल भरे शहर जैसा माहौल बनाती हैं, इसीलिए इसे "जीवित किला" के नाम से जाना जाता है।

जैसलमेर दुर्ग के नाम से भी जाना जाने वाला यह किला खूबसूरत जैन मंदिरों, पुरानी हवेलियों और शानदार नज़ारों वाले व्यूप्वाइंट्स का घर है, जहाँ से रेगिस्तान के लुभावने दृश्य दिखाई देते हैं। जैसलमेर किले घूमने के लिए मंदिरों, महलों, दुकानों व नज़ारों में दिलचस्पी के आधार पर 2 से 4 घंटे का समय लगता है।

घूमने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के बीच है, जब मौसम सुहावना होता है और सांस्कृतिक त्योहार किले की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। जैसलमेर किला सिर्फ एक स्मारक नहीं है, बल्कि इतिहास, परंपरा और रोज़मर्रा की ज़िंदगी का एक जीवंत संगम है।

सबसे नज़दीकी घरेलू हवाई अड्डा जैसलमेर हवाई अड्डा है, जो शहर के केंद्र से 13 किमी दूर है। हालांकि सबसे नज़दीकी बड़ा कमर्शियल हवाई अड्डा जोधपुर हवाई अड्डा (JDH) है, जो लगभग 300 किमी दूर है, जो सड़क या रेल मार्ग से जैसलमेर पहुंचने वाले यात्रियों के लिए एक आम एंट्री पॉइंट का काम करता है।

महत्वपूर्ण आयोजन / घटनाएँ

माननीय प्रधानमंत्री का कार्यक्रम व 150वें जनजातीय गौरव दिवस राज्य स्तरीय समारोह

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर गुजरात के डेडियापाड़ा में 150वें जनजातीय गौरव दिवस के मुख्य कार्यक्रम को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में आदिवासी कल्याण और समावेशी विकास पर ज़ोर दिया गया, जिसके बाद विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम से भारत भर के कई स्थानों को वर्चुअली जोड़ा गया था। राजस्थान में, माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा डूंगरपुर से वर्चुअली माननीय प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शामिल हुए, जहाँ भोगीलाल पंड्या कॉलेज में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया था। माननीय मुख्यमंत्री ने प्रकृति, संस्कृति और भारत की विरासत को संरक्षित करने में आदिवासी समुदायों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला, जिसके बाद विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया। यह कार्यक्रम NIC डूंगरपुर जिला केंद्र द्वारा जिला DoIT विभाग के समन्वय से प्रदान किए गए तकनीकी सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेटअप और IT उपकरण लगाए गए थे और NIC वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग डिवीजन, नई दिल्ली के समन्वय से कार्यक्रम से एक दिन पहले मुख्य और बैकअप लीज्ड लाइन कनेक्टिविटी स्थापित और परीक्षण करके 2-तरफ़ा संचार सुनिश्चित किया गया था।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि समारोह का आयोजन

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 19 नवंबर 2025 को तमिलनाडु के कोयंबटूर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त जारी की। राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री ने जयपुर से वर्चुअली इसमें हिस्सा लिया। NIC राजस्थान ने पांच जगहों: अजमेर, बीकानेर, भरतपुर, जयपुर और जोधपुर को जोड़कर इस कार्यक्रम को कुशलता से आयोजित किया। संबंधित NIC जिला केंद्रों द्वारा ICAR और जिला स्तर पर संबंधित विभाग को ज़रूरी तकनीकी सहायता/मार्गदर्शन प्रदान किया गया। NIC जिला केंद्रों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ज़रूरी लीज्ड लाइन कनेक्टिविटी और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की तैनाती सुनिश्चित की और उसके बाद उचित टेस्टिंग भी की।

माननीय प्रधानमंत्री के 17वें रोज़गार मेले कार्यक्रम के लिए तकनीकी सहायता

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 24 अक्टूबर 2025 को 17वें रोज़गार मेले को संबोधित किया और उसका उद्घाटन किया, जिसमें केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में नए भर्ती हुए 51,000 से ज़्यादा लोगों को नियुक्ति पत्र बांटे गए। राजस्थान में जयपुर और जोधपुर साइट्स को मुख्य कार्यक्रम से वर्चुअली जोड़ा गया था। कानून, न्याय और संसदीय मामलों के राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल जोधपुर के महिला पीजी कॉलेज से मुख्य कार्यक्रम में शामिल हुए। NIC जिला केंद्र, जोधपुर ने इस कार्यक्रम के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की, जिसमें प्राइमरी और सेकेंडरी लीज्ड लाइनें स्थापित करके 2-तरफ़ा संचार सुनिश्चित किया गया और कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए पहले से टेस्टिंग की गई।

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा सांसद खेल महोत्सव का समापन समारोह

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सांसद खेल महोत्सव 2025 के भव्य समापन समारोह को वर्चुअली संबोधित किया, यह एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम था जिसका समापन 25 दिसंबर 2025 को हुआ। उन्होंने विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में फाइनल इवेंट्स में भाग लेने वाले युवा एथलीटों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए बातचीत की। राजस्थान में बांसवाड़ा, झुंझुनू, जोधपुर, राजसमंद, सिरोही आदि के NIC जिला केंद्रों ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए तकनीकी सहायता और मार्गदर्शन प्रदान किया, जिसमें महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। जिला केंद्रों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए 2-वे लीज्ड लाइन कनेक्टिविटी, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर डिप्लॉयमेंट और उचित टेस्टिंग सुनिश्चित की।

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (अक्टूबर से दिसम्बर 2025)

महत्वपूर्ण आयोजन / घटनाएँ

माननीय केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री के साथ संवाद

23 दिसंबर 2025 को देश भर के सभी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) संस्थानों और कृषि विज्ञान केंद्रों (KVKs) में किसान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री, श्री शिवराज सिंह चौहान ने राजस्थान के किशनगढ़ हवाई अड्डे से एक वर्चुअल बातचीत के माध्यम से देश भर के किसानों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में KVK वैज्ञानिकों और कर्मचारियों के साथ-साथ कई किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। NIC जिला केंद्र, अजमेर ने लाइव वर्चुअल कॉन्फ्रेंस के लिए पूरा तकनीकी सहयोग प्रदान किया। NIC ने निर्बाध वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाएँ, स्थिर नेटवर्क कनेक्टिविटी और बिना किसी रुकावट के तकनीकी संचालन सुनिश्चित किया, जिससे माननीय मंत्री और विभिन्न स्थानों पर किसानों के बीच सुचारू बातचीत संभव हो पाई। विश्वसनीय तकनीकी सहयोग ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके अलावा, NIC राजस्थान जिला केंद्रों ने 24 दिसंबर 2025 को देश भर के स्वयं सहायता समूहों (SHGs) के प्रतिभागियों के साथ "विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (VB G RAM-G)" के संबंध में माननीय केंद्रीय मंत्री की बातचीत के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस की सुविधा प्रदान की। राज्य भर के SHGs प्रतिभागियों ने NIC वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में भाग लिया।

राजस्थान राज्य समन्वयक का एनआईसी राज्य केंद्र जयपुर और जिला केंद्रों का दौरा

श्री प्रशांत कुमार मित्तल DDG व NIC राजस्थान राज्य समन्वयक ने 10 और 11 नवंबर 2025 को NIC राज्य केंद्र, जयपुर का दौरा किया। राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी राजस्थान, डॉ. पी. गायत्री ने राज्य समन्वयक का स्वागत किया और उन्हें ICT परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने उन्हें राज्य में की गई नई पहलों के बारे में बताया। अतिरिक्त राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी (राज्य) श्री चंदन सेन ने इंफ्रा, नेटवर्क, ईमेल, डेटा सेंटर गतिविधियों और संसाधन उपयोग के बारे में जानकारी दी। राज्य समन्वयक ने NIC राज्य केंद्र के अधिकारियों के साथ बातचीत की और इंटीग्रेटेड फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम, DILRMP, ePanjiyan, Pehchan, NICCI चैटबॉट, e-Transport, iRAD, Labour-Soft, राजस्व न्यायालय केस निगरानी, IVFRT, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, e-Nagar आदि जैसी प्रमुख परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कुछ जिला अधिकारियों के साथ भी बातचीत की और विशेष रूप से उनके जिलों में विकसित और लागू की गई परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। राज्य समन्वयक ने उचित दस्तावेज़ीकरण, प्रशिक्षण नामांकन, परियोजनाओं में AI कार्यान्वयन, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सुरक्षा और सुरक्षा ऑडिट, दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुलभ वेबसाइट, टोंक जिले की "पढ़ाई विद AI" पहल की प्रतिकृति, परियोजनाओं में ब्लॉकचेन और भाषिनी NLP की खोज और मानस आरोग्य परियोजना पर इसकी अखिल भारतीय प्रतिकृति के लिए रिपोर्ट पर जोर दिया।

3 दिसंबर 2025 को राज्य समन्वयक ने श्री विनोद जैन, वैज्ञानिक-F NIC राज्य केंद्र, के साथ झुंझुनू जिला केंद्र का दौरा किया और NIC अधिकारियों द्वारा उनका स्वागत किया गया। उन्होंने NIC अधिकारियों के साथ डॉ. अरुण गर्ग IAS, कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट झुंझुनू, के साथ बातचीत की। मुख्य चर्चाओं में ई-मेल मुद्दे, SVANidhi पोर्टल में लाभार्थी संदेश और पर्यटक विरासत स्थलों के डिजिटलीकरण की शुरुआत शामिल थी। 4 दिसंबर 2025 को, उन्होंने सीकर जिला केंद्र का दौरा किया और जिला सूचना विज्ञान अधिकारी और अन्य NIC कर्मचारियों द्वारा उनका स्वागत किया गया। उन्होंने चल रही परियोजनाओं और रिपोर्ट किए गए मुद्दों के निपटान में लगने वाले समय की समीक्षा की। उन्होंने पुराने और अप्रयुक्त हार्डवेयर वस्तुओं के निपटान और मौजूदा परियोजनाओं के साथ-साथ नई पहलों में नवीनतम तकनीक का उपयोग करके जिला प्रशासन की अधिक इंटरैक्टिव और प्रभावी तरीके से सहायता करने का निर्देश दिया। इन दौरों के अलावा, श्री प्रशांत मित्तल ने 5 दिसंबर, 2025 को जयपुर में राज्य भर के सभी जिला केंद्रों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक व्यापक परियोजना समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस रिव्यू में LDMS, PadhaiWithAI, ई-ट्रांसपोर्ट के तहत ई-डिटेक्शन मॉड्यूल, और SJED-ISP प्रोजेक्ट्स जैसी मुख्य पहलों पर ध्यान दिया गया, जिसमें समय पर प्रगति, प्रभावी कार्यान्वयन, और ज़्यादा से ज़्यादा प्रभाव के लिए ICT टूल्स के इनोवेटिव इस्तेमाल पर ज़ोर दिया गया। यह दौरा और रिव्यू रचनात्मक बातचीत, व्यावहारिक मार्गदर्शन और सहयोग की भावना से भरा रहा।

22 दिसंबर 2025 को, राज्य समन्वयक ने संचालन की समीक्षा करने और तकनीकी संसाधनों का निरीक्षण करने के लिए NIC जिला केंद्र कोटा का दौरा किया। उनका स्वागत श्री मनीष शर्मा, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी कोटा ने किया। उन्होंने ई-एनएएम, नेटवर्क अपग्रेड और एप्लीकेशन में AI इंटीग्रेशन पर चर्चा करने के लिए जिला कलेक्टर से मुलाकात की। भामाशाह कृषि उपज मंडी में, अधिकारियों ने ई-एनएएम 2.0 के कार्यान्वयन और बीटा-संस्करण की चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया।

राजस्थान के सभी NIC जिला केंद्रों पर मनाए गए संविधान दिवस की झलकियाँ

NIC राजस्थान और इसके सभी ज़िला केंद्रों ने 26 नवंबर 2025 को गर्व और उत्साह के साथ संविधान दिवस मनाया। दिन की शुरुआत संविधान की प्रस्तावना को सामूहिक रूप से पढ़ने के साथ हुई, यह एक गंभीर क्षण था जिसने सभी को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के मूल्यों की याद दिलाई जो हमारे देश का मार्गदर्शन करते हैं। पूरे राज्य में, राज्य केंद्र व ज़िला केंद्रो में टीमों ने संविधान के आदर्शों को बनाए रखने की शपथ लेने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होकर लोकतांत्रिक शासन और नागरिक-केंद्रित सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

महत्वपूर्ण आयोजन / घटनाएँ

साइबर सुरक्षा जागरूकता माह मनाया गया

अक्टूबर 2025 को NIC राजस्थान ने सुरक्षित इंटरनेट तरीकों के बारे में जागरूकता पैदा करने और पर्सनल और ऑफिशियल जानकारी को साइबर खतरों से बचाने के मकसद से साइबर सुरक्षा जागरूकता महीने के तौर पर मनाया। NIC राजस्थान ने NIC राज्य केंद्र और जिला केंद्रों की सक्रिय भागीदारी से साइबर सुरक्षा जागरूकता पर सेमिनार और वर्कशॉप आयोजित किए। NIC राजस्थान राज्य केंद्र ने अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच साइबर हाइजीन, एप्लीकेशन सुरक्षा और जागरूकता को मजबूत करने के मकसद से कई जानकारी भरे सेशन और वर्कशॉप आयोजित किए। पूरे राजस्थान में जिला केंद्र के अधिकारियों द्वारा लगभग 68000 प्रतिभागियों के साथ 743 से ज़्यादा साइबर सुरक्षा जागरूकता सेशन आयोजित किए गए। महीने के दौरान आयोजित प्रमुख साइबर सुरक्षा जागरूकता सेशन में शामिल हैं –

- साइबर वीर के जाने-माने साइबर क्राइम एक्सपर्ट श्री मुकेश चौधरी द्वारा साइबर सुरक्षा जागरूकता पर उद्घाटन सेशन।
- RCOEAS जयपुर के श्री वीएन शर्मा (साइंटिस्ट-F), श्री एम. यासीन हुसैन (साइंटिस्ट-E) और श्री मुकेश चौधरी द्वारा एप्लीकेशन और साइबर सुरक्षा पर वेबिनार।
- साइंटिस्ट -D श्री अविनाश अग्रवाल द्वारा एडवांस्ड साइबर सुरक्षा तकनीकों पर सेशन।
- RAS अधिकारियों को साइंटिस्ट 'F' श्री चंदन सेन और अतिरिक्त राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी राज्य इकाई द्वारा साइबर सुरक्षा जागरूकता, IT एक्ट और AI पर सेशन दिया गया।

आईआईएम उदयपुर में "प्रभावी शासन के लिए एआई" पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

NIC राजस्थान ने 11 दिसंबर 2025 को IIM उदयपुर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस – प्रभावी शासन के लिए AI पर एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया, जो AI इम्पैक्ट समिट, 2026 का एक प्री-समिट इवेंट था। वर्कशॉप में श्री अभिषेक सिंह IAS, अतिरिक्त सचिव, MeitY, CEO AI मिशन और महानिदेशक, NIC मौजूद रहे। श्री प्रशांत कुमार मित्तल, उप महानिदेशक व राज्य समन्वयक ने भी इस कार्यक्रम में अपनी मूल्यवान उपस्थिति दर्ज कराई। यह वर्कशॉप प्रशासनिक उत्कृष्टता को मजबूत करने और नवीन शासन प्रथाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह वर्कशॉप राजस्थान स्टेट माइंस एंड मिनरल्स लिमिटेड, NICSI, राजकॉम्प इन्फो सर्विसेज लिमिटेड और उदयपुर विकास प्राधिकरण की साझेदारी में आयोजित की गई।

श्री अभिषेक सिंह IAS व अतिरिक्त सचिव, MeitY, CEO AI मिशन और महानिदेशक NIC ने "शासन के लिए AI: पैमाने और विश्वास के लिए नींव बनाना" विषय पर मुख्य भाषण दिया। उन्होंने AI को सार्वजनिक सेवा वितरण के लिए एक उभरते हुए फोर्स मल्टीप्लायर के रूप में उजागर किया और बताया कि भाषिनी ने विभिन्न भारतीय भाषाओं में लेक्चर का अनुवाद करके शिक्षा क्षेत्र में जीवन बदल दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रेडिक्टिव एनालिसिस, चैटबॉट, कॉल बॉट क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित करते हुए पैन एप्लीकेशन को दोहराने के लिए त्वरित तरीके हैं, जो AI की तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि राजस्थान IT कार्यान्वयन में प्रगतिशील राज्यों में से एक है। अन्य प्रतिष्ठित वक्ताओं में शामिल थे - प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी, निदेशक, MNIT, जयपुर, डॉ. शर्मिष्ठा दासगुप्ता उप महानिदेशक NIC, दिल्ली, श्री भरत गिडवानी, वरिष्ठ समाधान वास्तुकार, NVIDI, श्री शशांक एस ठाकुर, CoRoverAI और BharatGPT में उपाध्यक्ष (व्यवसाय), श्री आफताब सलोदावाला, साइबर सुरक्षा के बिजनेस हेड, सिल्वरसे और श्री सुशील अग्रवाल, वैज्ञानिक और जिला सूचना विज्ञान अधिकारी NIC टोंक।

श्री प्रशांत कुमार मित्तल, उप महानिदेशक NIC, ने दिन भर के विचार-विमर्श का सारांश प्रस्तुत करते हुए शासन को बदलने, साइबर सुरक्षा को मजबूत करने और रोजमर्रा के संचालन को नया आकार देने में AI के वास्तविक दुनिया के प्रभाव पर जोर दिया। डॉ. पी. गायत्री, उप महानिदेशक और राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी NIC राजस्थान ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और सभी गणमान्य व्यक्तियों को AI पर अपने ज्ञानवर्धक दृष्टिकोण साझा करने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया और उन मूल्यवान योगदानों को स्वीकार किया जिन्होंने चर्चाओं को समृद्ध किया। उन्होंने डिजिटल नवाचार को आगे बढ़ाने और राष्ट्रीय AI पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की सामूहिक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए अपनी बात समाप्त की। सत्र का संचालन श्री चंदन सेन, अतिरिक्त राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी (राज्य) NIC राजस्थान, ने कुशलतापूर्वक किया। पूरे इवेंट को मीडिया डिवीज़न के सपोर्ट से YouTube पर LIVE टेलीकास्ट किया गया।

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (अक्टूबर से दिसम्बर 2025)

महत्वपूर्ण आयोजन / घटनाएँ

राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी (SIO) और अतिरिक्त राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी (ASIO) द्वारा NIC जिला केंद्रों का दौरा

SIO राजस्थान, डॉ. पी. गायत्री, ASIO (जिला) श्री दीपक भाटिया के साथ हाल ही में कोटा, बूंदी और टोंक में NIC जिला केंद्रों का दौरा किया। इस दौरे में न केवल प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की गई, बल्कि उन टीमों के साथ सार्थक बातचीत भी हुई जो जमीनी स्तर पर डिजिटल बदलाव ला रही हैं। दौरे के दौरान श्री मनीष शर्मा (DIO कोटा), श्री विकास मीना (DIO बूंदी) और श्री सुशील अग्रवाल (DIO टोंक) ने SIO और ASIO (जिला) का स्वागत किया और जिलों में ICT प्रोजेक्ट्स और उनके लागू करने के काम के बारे में जानकारी दी। टोंक और बूंदी में माहौल जीवंत और उत्साहजनक था, जहां जिला टीमों ने अपने इनोवेटिव काम और नए आइडिया दिखाए। अधिकारियों ने चल रही ई-गवर्नेंस पहलों और AI-आधारित अग्रणी कार्यक्रम PadhaiWithAI की बारीकी से समीक्षा की, और स्टाफ की रचनात्मकता और समर्पण की सराहना की। उन्होंने इस बारे में बहुमूल्य मार्गदर्शन दिया कि नागरिकों को लाभ पहुंचाने के लिए इन प्रयासों को और कैसे मजबूत किया जा सकता है। SIO राजस्थान ने जिले में IT क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों और मुद्दों पर चर्चा की और NIC जिला केंद्रों को प्रोजेक्ट्स में AI को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। दौरे के दौरान, उन्होंने कोटा और बूंदी के जिला मजिस्ट्रेट से बातचीत की और जिलों में NIC की गतिविधियों पर चर्चा की। अधिकारियों ने कोटा, बूंदी और टोंक में NIC जिला केंद्रों द्वारा की गई पहलों और गतिविधियों की सराहना की। SIO राजस्थान टोंक और बूंदी में इनोवेटिव काम देखकर सच में प्रेरित हुईं, जबकि कोटा में श्री दीपक भाटिया और श्री मनीष शर्मा के साथ उनकी मुलाकात और बातचीत भी उतनी ही ज्ञानवर्धक रही। SIO राजस्थान और ASIO (राज्य) श्री चंदन सेन ने 12 दिसंबर 2025 को NIC जिला केंद्र, चित्तौड़गढ़ का दौरा किया और श्री अशोक लोढ़ा (DIO चित्तौड़गढ़) ने उनका स्वागत किया। दौरे के दौरान, उन्होंने लागू किए जा रहे विभिन्न प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की और उनकी प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। वे DM चित्तौड़गढ़ से मिले, और जिला-स्तरीय प्रोजेक्ट्स में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग और दक्षता और नागरिक सेवाओं को बेहतर बनाने की इसकी क्षमता के बारे में गहराई से बातचीत की।

एनआईसी राजस्थान में "राष्ट्रीय कर्मयोगी बड़े पैमाने पर जन सेवा कार्यक्रम" आयोजित किया गया

राष्ट्रीय कर्मयोगी बड़े पैमाने पर जन सेवा कार्यक्रम (RKJSP) भारत सरकार की एक बड़ी पहल है, जिसे कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन (CBC) ने सिविल सेवकों को दयालु, नागरिक-केंद्रित 'कर्मयोगी' (कर्तव्यनिष्ठ सेवक) में बदलने के लिए शुरू किया है। यह व्यवहार प्रशिक्षण के माध्यम से "सेवा भाव" (सेवा की भावना) पैदा करता है, जवाबदेह शासन के लिए प्रक्रिया से उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित करता है, और विकसित भारत (विकसित भारत) के लिए सार्वजनिक सेवा वितरण को बढ़ाता है। यह अधिकारियों के बीच नेतृत्व, समस्या-समाधान और टीम वर्क विकसित करने के लिए इंटरैक्टिव सत्रों और एक कैस्केड प्रशिक्षण मॉडल का उपयोग करता है।

जनादेश के अनुसार, NIC-राजस्थान के अधिकारियों के लिए 04-11-2025, 09-12-2025, 16-12-2025 और 17-12-2025 को चार अलग-अलग बैचों में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। सत्र नामित मास्टर ट्रेनर, श्री विपिन खन्ना, वैज्ञानिक-F, और श्री अविनाश अग्रवाल, वैज्ञानिक-D द्वारा, NIC मुख्यालय टीम, DDG और राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी (SIO), डॉ. पी. गायत्री, और राज्य प्रशिक्षण समन्वयक, श्री गुरदीप सिंह भाटिया, वैज्ञानिक-F (ASIO) के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए थे।

कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने पूरे दिल से भाग लिया और उल्लेखनीय उत्साह दिखाया, जिसके परिणामस्वरूप एक जीवंत और इंटरैक्टिव सीखने का माहौल बना। ज्ञानवर्धक आदान-प्रदान, रचनात्मक चर्चाओं और उच्च स्तर की भागीदारी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की समग्र सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रतिभागियों ने कहा कि सत्र बौद्धिक रूप से उत्तेजक, व्यावहारिक रूप से प्रासंगिक थे, और उन्हें असाधारण स्पष्टता के साथ बताया गया था। NIC राजस्थान में आयोजित राष्ट्रीय कर्मयोगी बड़े पैमाने पर जन सेवा कार्यक्रम NIC की नवाचार, निरंतर सुधार और जवाबदेह डिजिटल शासन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का एक मजबूत प्रमाण है। उम्मीद है कि यह कार्यक्रम पूरे राजस्थान में पारदर्शी, कुशल और नागरिक-केंद्रित डिजिटल सेवाएं प्रदान करने में NIC अधिकारियों की क्षमता को काफी मजबूत करेगा।

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) में NIC जिला केंद्रों की भूमिका

2026 के लिए वोटर लिस्ट का खास गहन रिवीजन 4 दिसंबर, 2025 को पूरे राजस्थान में शुरू हुआ। डिस्ट्रिक्ट लेवल पर DIOs को नोडल ऑफिसर बनाकर एक IT हेल्पडेस्क बनाया गया। इस प्रोसेस के तहत, डिस्ट्रिक्ट लेवल हेल्पडेस्क ने जिले की हर असेंबली कॉन्स्टिट्यूएंसी के ERO ऑफिस और उनके IT सेल के साथ कोऑर्डिनेट किया और तुरंत टेक्निकल सपोर्ट और एक्टिविटीज़ की मॉनिटरिंग के लिए एक वाट्सएप ग्रुप बनाया। शुरू में BLOs को SIR एक्टिविटीज़ के लिए BLO ऐप का इस्तेमाल करने और 2002 की वोटर लिस्ट में चुनावी रिश्तेदारों को खोजने के बारे में ट्रेनिंग दी गई। हेल्पडेस्क ने फील्ड में BLOs को घर-घर जाकर और एन्यूमरेशन फॉर्म बांटने और डिजिटाइज़ करने के दौरान आने वाली टेक्निकल दिक्कतों के बारे में जानकारी इकट्ठा की और उनका समाधान बताया। उन्हें रिपोर्ट की गई दिक्कतों के बारे में भी बताया गया, क्योंकि कुछ BLOs और सुपरवाइज़र को BLO ऐप के साथ टेक्निकल दिक्कतें आ रही थीं, समस्याओं के स्क्रीनशॉट लिए गए, और CEO ऑफिस की स्टेट-लेवल IT टीम के साथ समन्वय करके दिक्कतों को हल किया गया। इसके अलावा कुछ BLOs ने NIC जिला केंद्र का दौरा किया, जहाँ उनकी समस्याओं का समाधान किया गया और उन्हें ज़रूरी ट्रेनिंग दी गई।

साइबर सुरक्षा सुझाव

अपने क्रेडिट/डेबिट कार्ड से ऑनलाइन ट्रांज़ैक्शन पूरा करने के बाद वेबसाइट से लॉग ऑफ करना हमेशा याद रखें।
ब्राउज़र कुकीज़ को डिलीट करना एक अच्छी आदत है।

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (अक्टूबर से दिसम्बर 2025)

त्रैमासिक प्रोजेक्ट: ई-वर्क (एक एकीकृत कार्य निगरानी प्रणाली)

https://rdprwms.rajasthan.gov.in

श्री अनिल कुमार जैन वैज्ञानिक-एक
एनआईसी-राजस्थान राज्य केंद्र
श्रीगंगानगर

ई-वर्क राजस्थान सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के लिए NIC राजस्थान द्वारा विकसित एक इंटीग्रेटेड वर्क मॉनिटरिंग सिस्टम है।
ई-वर्क सिस्टम के तहत, MLA-LAD योजना के तहत विधायकों द्वारा अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं के लिए सिफारिशों या प्रस्तावों सहित कई विभागीय गतिविधियों को अब डिजिटल या ऑनलाइन प्रोसेस किया जाता है। इस पहल का मकसद पारदर्शिता बढ़ाना, रियल-टाइम मॉनिटरिंग को सक्षम बनाना, काम पूरा होने का समय कम करना, सरकारी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना और प्रोजेक्ट को लागू करने में दक्षता में सुधार करना है।

इनमें से कुछ गतिविधियों में विकास परियोजनाओं का लागत अनुमान, काम की डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित मंजूरी/अनुमोदन, और काम का ऑनलाइन माप शामिल है। इसमें एक सिंगल नोडल अकाउंट (SNA) के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान, विकास परियोजनाओं का निरीक्षण और निगरानी, काम पूरा होने और उपयोगिता प्रमाण पत्र ऑनलाइन तैयार करना, SSO इंटीग्रेशन और कामों की जियो-टैगिंग शामिल है। इसके अलावा, ई-वर्क मोबाइल ऐप के माध्यम से, विधायक अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में किए जाने वाले विकास परियोजनाओं की सिफारिश कर सकते हैं और साथ ही इन परियोजनाओं की वित्तीय और भौतिक स्थिति की निगरानी भी कर सकते हैं।

e-Work
An Integrated Work Monitoring System for Rural Development Department

e-Work is a workflow and role based Unified platform bundled with web application and a mobile application covering every stage of work from planning, sanctioning, monitoring, completion and payment to beneficiary.

Scope (Major Modules under umbrella of e-Work)

- Role Based Privileged Access (Maker, Checker, approver)
- Online District Plan
- Online Vendor/ beneficiary registration
- Fund Allocation & Sub Allocations
- Work proposal. Cost estimation based on BSR
- MLA Recommendation s through Mobile & Web
- Online generation of AS, TS and FS
- Separate sanction module for Admin expenditure
- Measurement Book linked with work progress
- Inspection of works and progress through mobile App
- UC and CC Generation
- SMS Alerts to its stake holders
- Integrated Problem reporting system
- Direct payment to Vendor/beneficiaries accounts

Impact

- ✓ Single Window Monitoring of more than 2.1 Lakh works
- ✓ More than 11000 Implementing Agencies working on S/W
- ✓ Safe and secure Single Sign on with MFA
- ✓ Online e-Signed Sanctions
- ✓ Physical & Financial Progress based on App reporting.
- ✓ Voucher preparation is linked with MBng
- ✓ Automatic Generation of Asset Register
- ✓ Capturing Geo location of works along with photographs
- ✓ Monitoring for delays in Sanctions
- ✓ Sanctions generation through e-sign

Stake Holders

- ✓ Officials of State Rural Development Department
- ✓ 41 Districts, 352 Blocks,
- ✓ 11000 Implementing Agencies
- ✓ 225 Public Representatives (MLAs & MPs)

ई-वर्क सिस्टम की प्रमुख विशेषताए

- MFA (यूज़र आईडी + SSO आईडी + OTP) के साथ SSO पोर्टल का इस्तेमाल करके सुरक्षित सिंगल साइन-ऑन।
- आधार आधारित ई-साइन का इस्तेमाल करके मंज़ूरी और FTOs।
- मेकर, चेकर, अप्रूवर और रोल बेस्ड प्रिविलेज्ड एक्सेस का कॉन्सेप्ट।
- संस्था / जन आधार API का इस्तेमाल करके वेंडर/बेनिफिशियरी रजिस्ट्रेशन।
- वार्षिक ज़िला योजना का ऑनलाइन तैयारी और मंज़ूरी।
- ऑनलाइन काम की सिफारिश और प्रस्ताव। BSR का इस्तेमाल करके काम का अनुमान।
- ऑनलाइन ई-साइन की गई प्रशासनिक, तकनीकी और वित्तीय मंज़ूरी।
- काम अन्य RD योजनाओं के साथ तालमेल/कन्वर्जेंट हो सकते हैं।
- जियो टैग की गई तस्वीरों के साथ मोबाइल ऐप के ज़रिए प्रगति।
- प्रगति से जुड़ी ऑनलाइन मेज़रमेंट बुक।
- वाउचर बनाना MB से जुड़ा हुआ है। E-साइन किया हुआ FTO IFMS को भेजा जाएगा।
- वेंडर/लाभार्थियों के खातों में सीधा भुगतान और टैक्स की कटौती।
- फाइनल बिल केवल फाइनल MB फाइलिंग और टैक्स कटौती के बाद ही जेनरेट किए जा सकते हैं।
- प्रशासनिक खर्च के लिए अलग सैंक्शन मॉड्यूल।
- मोबाइल ऐप के ज़रिए कामों का इंस्पेक्शन।
- MLA की सिफारिशें अनिवार्य रूप से केवल वेब और मोबाइल एप्लीकेशन के ज़रिए ही होंगी।
- काम के हर स्टेज पर जनप्रतिनिधियों, राज्य/ज़िला अधिकारियों को अलर्ट SMS।

Awards / Accolades

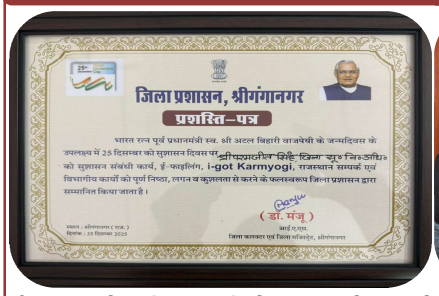

श्री गंगानगर जिला केंद्र, NIC के जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, श्री परमजीत सिंह को 25 दिसंबर 2025 को जिला कलेक्टर श्रीमती डॉ. मंजू द्वारा अभिनव प्रोजेक्ट डिजिटल ई-बारी, सुशासन से संबंधित कार्य, ई-फाइलिंग, iGOT कर्मयोगी, राजस्थान संपर्क और अन्य सौंपी गई जिम्मेदारियों के सफल विकास, कार्यान्वयन और समग्र प्रबंधन के लिए एक प्रशंसा प्रमाण पत्र/पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डिजिटल ई-बारी पहल एक स्मार्ट ऑनलाइन प्रणाली है जो नहर आधारित सिंचाई शेड्यूलिंग प्रक्रिया को डिजिटाइज़ करती है और यह एक प्रौद्योगिकी-सक्षम शासन है जिसका उद्देश्य सिंचाई प्रबंधन और किसान कल्याण को मजबूत करना है।

परियोजना लेन-देन सांख्यिकी

SN	Project	Number of Transactions			Total Trans.
		Oct-25	Nov-25	Dec-25	
1	DBT through Pay Manager	20587359	11395442	11894829	43877630
2	DILRMP ROR	7099909	7420654	7880230	22400793
3	Shala Darpan	4853792	5943024	2152428	12949244
4	IFMS - Rajkosh Challans	1400013	1447587	1625069	4472669
5	eGras	1201161	1230708	1389969	3821838
6	IFMS - Rajkosh Bills	587890	302259	435582	1325731
7	Pay Manager Other Bills	207295	179402	192850	579547
8	Registration and Stamps	188105	199127	230354	617586
9	E-Transport Vehicle Registration	300941	252771	100458	654170
10	E-Transport Driving Licence	64051	68223	82162	214436

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (अक्टूबर से दिसम्बर 2025)

प्रौद्योगिकी वार्ता: पायथन फ्रेमवर्क - जैंगो (Django)

श्री मनीष शर्मा
डीआईओ एवं वैज्ञानिक-सी
एनआईसी-जिला केंद्र, कोटा

Django अपनी "बैटरीज़ इन्क्लूडिड" फिलॉसफी से खुद को अलग करता है, जो ऑथेंटिकेशन, वैलिडेशन और डेटाबेस कनेक्टिविटी जैसे सभी ज़रूरी कंपोनेंट आउट ऑफ़ द बॉक्स देता है। यह हाई-लेवल Python वेब फ्रेमवर्क तेज़ी से डेवलपमेंट और प्रैक्टिकल डिज़ाइन को बढ़ावा देता है। Django डेवलपर्स को इंफ्रास्ट्रक्चर की चिंताओं के बजाय सिर्फ़ कोर बिज़नेस लॉजिक पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है।

आर्किटेक्चरल पैराडाइम: MVT (मॉडल-व्यू-टेम्प्लेट): Django MVC (मॉडल-व्यू-कंट्रोलर) जैसा एक आर्किटेक्चरल पैटर्न इस्तेमाल करता है, जिसे खास तौर पर MVT नाम दिया गया है। ज़िम्मेदारियों का यह महत्वपूर्ण बंटवारा एप्लीकेशन के बढ़ने पर कोड की कंसिस्टेंसी और क्लैरिटी बनाए रखने के लिए ज़रूरी है।

- मॉडल: यह सभी एप्लीकेशन डेटा के प्राइमरी सोर्स के तौर पर काम करता है। यह ज़रूरी फ़ील्ड और स्टोर किए गए डेटा के बिहेवियर को डिफाइन करता है।
- व्यू: यह लॉजिक लेयर के तौर पर काम करता है। इसका काम मॉडल से डेटा एक्सेस करना और यह तय करना है कि कौन सी जानकारी दिखाई जानी चाहिए।
- टेम्प्लेट: यह प्रेजेंटेशन लेयर को रिप्रेजेंट करता है। यह मैनेज करता है कि डेटा फाइनल यूज़र को कैसे दिखाया जाएगा (आमतौर पर HTML के रूप में)

मुख्य विशेषताएं और "बैटरी शामिल" इकोसिस्टम

"बैटरीज़ इन्क्लूडिड" शब्द का मतलब है कि Django में मॉड्यूल की एक पूरी स्टैंडर्ड लाइब्रेरी होती है जो वेब डेवलपमेंट की आम चुनौतियों को तुरंत हल करने के लिए डिज़ाइन की गई है। यही इंटीग्रेटेड इकोसिस्टम इतनी तेज़ी से डिप्लॉयमेंट को संभव बनाता है।

मुख्य घटकों में शामिल हैं –

- एडमिनिस्ट्रेटिव इंटरफ़ेस: एक प्रोफेशनल और प्रोडक्शन-रेडी एडमिनिस्ट्रेटिव पैनल जो एप्लिकेशन के डेटा मॉडल के आधार पर अपने आप जेनरेट होता है।
- ऑब्जेक्ट-रिलेशनल मैपर (ORM): यह टूल डेवलपर्स को मुश्किल SQL लिखने के बजाय रेगुलर Python ऑब्जेक्ट का इस्तेमाल करके डेटाबेस के साथ काम करने देता है।
- मज़बूत ऑथेंटिकेशन सिस्टम: एक सुरक्षित, पहले से बना हुआ यूज़र अकाउंट मैनेजमेंट सिस्टम जो यूज़र लॉगिन, लॉगआउट, पासवर्ड हैशिंग और परमिशन को हैंडल करता है।
- URL राउटिंग: एक साफ़ URL डिस्पैचर जो पढ़ने में आसान, सर्च-इंजन-फ्रेंडली URL डिज़ाइन को बढ़ावा देता है, जिससे यूज़र एक्सपीरियंस और SEO दोनों बेहतर होते हैं।
- फ़ॉर्म हैंडलिंग: एक लाइब्रेरी जो HTML फ़ॉर्म बनाने को ऑटोमेट करती है, यूज़र इनपुट को वैलिडेट करती है और प्रोसेसिंग के लिए उसे Python डेटा टाइप में बदलती है।

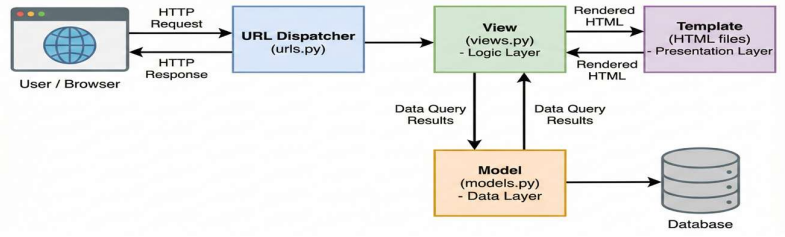

निष्कर्ष: डिजिटल गवर्नेंस इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत करना

हमारे बढ़ते डिजिटल पहलों के लिए, Django ई-गवर्नेंस समाधानों की समय पर डिलीवरी के लिए रैपिड एप्लीकेशन डेवलपमेंट को आसान बनाता है। सुरक्षित, नागरिक-केंद्रित पोर्टल्स के लाइफसाइकिल को तेज़ करने की इसकी क्षमता, प्रशासनिक ज़रूरतों के प्रति हमारी लगातार फुर्ती को सुनिश्चित करती है। वेब इंफ्रास्ट्रक्चर के अलावा, Django बड़े Python इकोसिस्टम के लिए एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में काम करता है। AI, ML और डेटा एनालिटिक्स के लिए खास लाइब्रेरी को सीधे हमारे मौजूदा वेब बैकएंड में आसानी से इंटीग्रेट करके, हम पारंपरिक पोर्टल्स को इंटेलिजेंट, डेटा-संचालित प्लेटफॉर्म में बदल सकते हैं। यह हमें एक ही, सुरक्षित और बहुत कुशल फ्रेमवर्क के भीतर ऑटोमेशन से लेकर जटिल प्रेडिक्टिव मॉडलिंग तक कई तरह की तकनीकी चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाता है।

सुरक्षा

Django एक प्रोएक्टिव मेथोडोलॉजी अपनाता है, जो सिर्फ़ सिक्योरिटी टूल नहीं देता बल्कि उन्हें एक्टिव रूप से लागू भी करता है।

- SQL इंजेक्शन प्रोटेक्शन: अपने ऑब्जेक्ट-रिलेशनल मैपर का इस्तेमाल करके जो स्वाभाविक रूप से कोड और डेटा को अलग करता है, Django डिफ़ॉल्ट रूप से SQL इंजेक्शन कमजोरियों से सुरक्षित रहता है।
- CSRF (क्रॉस-साइट रिक्वेस्ट फ़ोर्जरी): Django सभी POST रिक्वेस्ट में एक सीक्रेट टोकन की मौजूदगी को अपने आप वैलिडेट करता है, जिससे यह पक्का होता है कि फ़ॉर्म सबमिशन असली यूज़र्स से आते हैं, न कि नुकसान पहुँचाने वाले बाहरी स्क्रिप्ट से।
- XSS (क्रॉस-साइट स्क्रिप्टिंग): Django का टेम्प्लेटिंग इंजन कुछ खास कैरेक्टर को अपने आप एस्केप करता है, जिससे हमलावरों द्वारा वेबसाइट में नुकसान पहुँचाने वाले स्क्रिप्ट डालने का जोखिम प्रभावी ढंग से कम हो जाता है।

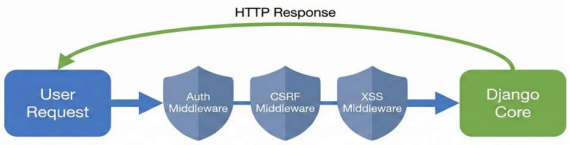

Published By

संरक्षक
डॉ. पी. गायत्री, एस. आई. ओ. राजस्थान

संपादकीय बोर्ड

श्री अमित अग्रवाल वैज्ञानिक-'एफ'
श्री दिलीप जैन, वैज्ञानिक-'ई'
श्री विनोद कुमार शर्मा , वैज्ञानिक-'ई'
श्री हेमंत मेहता, वैज्ञानिक-'ई'
श्री मनीष कुमार शर्मा, वैज्ञानिक-'सी'
श्रीमती सोनिया तोमर, एसटीए-'ए'

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र
राजस्थान राज्य केंद्र
8318, उत्तर-पश्चिम खंड
सरकारी सचिवालय,
सी-स्कीम, जयपुर, 302005
0141-2227992
ईमेल: sioraj@nic.in
वेबसाइट: https://raj.nic.in

सेवानिवृत्ति

श्री दीपक भाटिया, वैज्ञानिक-एफ

जन्म तिथि: 27-11-1965
कार्यभार ग्रहण तिथि: 12-10-1988
कार्यभार ग्रहण पद: साइंटिफिक/टेक्निकल असिस्टेंट-A
सेवानिवृत्ति तिथि: 30-11-2025
सेवानिवृत्ति स्थान: कोटा, राजस्थान
शिक्षा: एम.एससी. कंप्यूटर साइंस
सेवानिवृत्ति स्थान: कोटा, राजस्थान
प्रोजेक्ट: मुख्यमंत्री राहत कोष निगरानी प्रणाली, लघु बचत एजेंट प्रणाली और सहायक अभियोजक रिटर्न निगरानी प्रणाली, ई-ग्राम, DILRMP, IFMS, iRAD/eDAR, NDAL/ALIS प्रोजेक्ट, ई-कोर्ट कंप्यूटरीकरण, CONFONET, NADRS, PEHCHAN, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, और राशन कार्ड कंप्यूटरीकरण।

NIC डिस्ट्रिक्ट सेंटर कोटा की स्थापना और वहाँ 37 साल की सेवा के बाद, मुझे गर्व है कि मैंने NIC में सभी सौंपे गए प्रोजेक्ट्स को सफलतापूर्वक पूरा किया और एंड यूज़र को संतुष्ट किया। मैं सभी सीनियर अधिकारियों और सहकर्मियों को उनके लगातार सहयोग और मार्गदर्शन के लिए दिल से धन्यवाद देता हूँ। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूँ कि NIC परिवार आगे भी तरक्की करता रहे और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में लीडर बना रहे। ~ दीपक भाटिया

पदोन्नति पर स्थानांतरित

श्री ईश्वर दास वरियानी
(उप महानिदेशक और वैज्ञानिक-जी)
एनआईसी राजस्थान राज्य केंद्र, जयपुर से
एनआईसी मुख्यालय नई दिल्ली

राजस्थान में स्थानांतरित

श्री जितेश शर्मा
(वैज्ञानिक-डी)
आईवीएफआरटी परियोजना, नई दिल्ली से
एनआईसी राजस्थान राज्य केंद्र, जयपुर

चयन पर बधाई

सुश्री सविता (एसटीए-ए, एनआईसी हनुमानगढ़)
एनआईसी में साइंटिफिक ऑफिसर के पद पर चयनित